4.1 लिंग एवं संस्कृति [Gender and Culture]

COURSE-6

संस्कृति का अर्थ (Meaning of Culture)

संस्कृति का अंग्रेजी रूपान्तरण Culture लैटिन भाषा के 'Colere' से बना है जिसका अर्थ है—सीखना, Learn या Learning। एक समुदाय के लोग जो कुछ ज्ञान, व्यवहार सीखते हैं, उसको बनाये रखना पसन्द करते हैं, दूसरों के साथ जो व्यवहार करते हैं, वह सब कुछ संस्कृति कहलाती है। साधारण भाषा में संस्कृति का अर्थ एक समाज के उत्तम व सुन्दर विचारों, कृतियों तथा व्यवहार के तौर-तरीकों से लिया जाता है। साहित्यकारों ने संस्कृति का अर्थ सौन्दर्य और आकर्षण उत्पन्न करने वाले तत्त्वों का मिश्रण लिया है।

संस्कृति की परिभाषाएँ (Definitions of Culture)

सुप्रसिद्ध अंग्रेजी कवि मैथ्यू आर्नाल्ड के शब्दों में—*"संस्कृति मधुरता और प्रकाश के प्रति (अत्यन्त प्रेम) है।"*

"Culture is the passion for sweetness and light and (what is more) the passion for making them prevail."

—English Poet Methew Arnold

टायलर के शब्दों में, *"संस्कृति वह जटिल समग्रता (Complex whole) है जिसमें ज्ञान, विश्वास, कला, नैतिकता, कानून, प्रथा तथा ऐसी ही अन्य क्षमताओं और आदतों का समावेश होता है जिन्हें मानव, समाज के सदस्य होने के नाते प्राप्त करता है।"*

"Culture is that complex whole which includes knowledge, belief, art, morality, law practice and other capabilities and habits acquired by man as a member of society."

—Tylor

हर्सकोविट्स के अनुसार—*"संस्कृति प्राप्त आवश्यकताओं और उद्देश्यमूलक उद्देश्यों की एक संगठित व्यवस्था है।"*

"Culture may be defined as a system of derived needs and an organised system of purposeful activities."

—Herkovits

लिण्टन के अनुसार—*"संस्कृति एक समुदाय के लोगों का सम्पूर्ण ज्ञान, दृष्टिकोण और आदतन व्यवहार होती है।"*

"The sum total of knowledge, attitudes and habituals behaviour is culture."

—Linton

सामाजिक मानवशास्त्री पिडिंग्टन के अनुसार—*"संस्कृति उन भौतिक तथा बौद्धिक साधनों या उपकरणों का सम्पूर्ण योग है जिनके द्वारा मानव अपनी प्राणिशास्त्रीय और सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।"*

Scanned with CamScanner

"Culture is the sum total of the material and intellectual equipments whereby th... (a people) satisfy their biological and social needs and adopt themselves to th... environment."

—Piddington

होयबल के अनुसार—"संस्कृति सम्बन्धित सीखे हुए व्यवहार प्रतिमानों का समग्र समू... एक समाज के सदस्यों की विशेषता को बतलाता है और जो अन्तःप्राणिशास्त्रीय विरासत का परिणाम ... होता है।"

"Culture is the sum total of integrated learned behaviour patterns which ... characteristics of the members of a society and which are therefore not the result of biologic... inheritance."

—Hoebel

संस्कृति की पाठ्यवस्तु
(Contents of Culture)

(1) ऑगबर्न (Ogburn) के अनुसार, प्रत्येक संस्कृति के दो भाग होते हैं—

(i) भौतिक भाग—जो मानव द्वारा निर्मित वस्तुओं के रूप में होती है।

(ii) अभौतिक भाग—जो मानव द्वारा बनाये गये विचारों, मूल्यों, आदर्शों, हिदायतों के रूप में होती है।

2. लापिरे (Lapiere) के अनुसार, प्रत्येक संस्कृति के तीन भाग होते हैं—

(i) विचार—सभी के द्वारा स्वीकार किए गये मूल्य या प्रतिमान।

(ii) तकनीकें—वातावरण पर नियन्त्रण पाने की कुशलताएँ।

(iii) संगठन—सम्बन्धों, संस्थाओं और संगठनों के प्रतिमान।

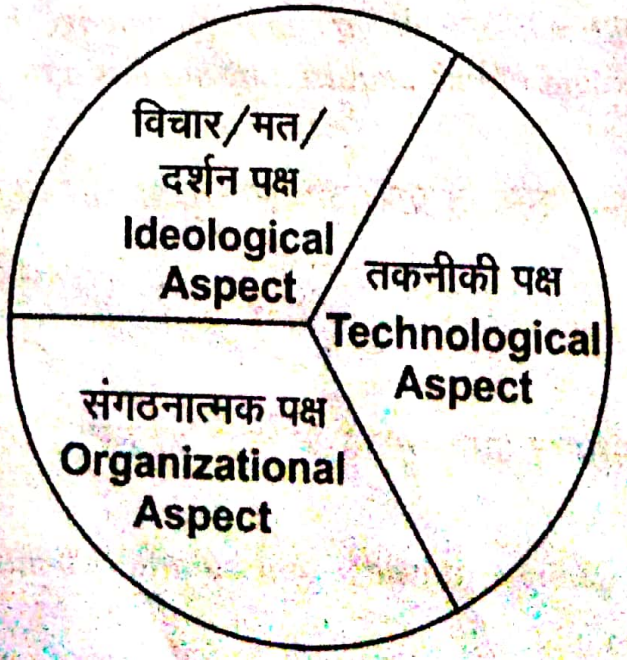

Scanned with CamScanner

(ii) विचार-प्रधान संस्कृति Idealtional Culture

(iii) इन्द्रिय प्रधान संस्कृति Sensate Culture

लिंग, संस्कृति और शिक्षा
(Gender, Culture and Education)

मनुष्य में मानवता की पहचान ही संस्कृति है। संस्कृति समाज का प्राण है। शैली या ... तात्पर्य है जो किसी व्यक्ति को उसके पूर्वजों से विरासत में मिलती है तथा उसके जीवन को ... सफल बनाने में सहायक होती है। दार्शनिक हीगल और काण्ट संस्कृति में निरन्तरता को नैतिक ... अंग्रेज कवि मैथ्यू आर्नाल्ड ने पूर्णतः मधुरता और प्रकाश की विशिष्ट खोज को संस्कृति कहा है ... लिए शिष्टता और शुद्धता ही संस्कृति है।

संस्कृति का सामान्य अर्थ है—संस्कार। मानव-जीवन के संस्कारों की केन्द्रीभूत समष्टि ही साम... संस्कृति होती है। जिस प्रकार व्यक्ति अपने संस्कारों के अनुसार चेष्टा, व्यवहार, कर्म करता है ठीक उसी प्रकार समाज अपनी संस्कृति के प्रभाव में गतिशील रहता है। यहाँ संस्कृति को मानवशास्त्रीय, समाजशास्त्रीय एवं मनोवैज्ञानिक उपागमों के अनुसार समझने का प्रयास किया गया है।

मानवशास्त्रीय उपागम
(Anthropological Approach)

मानवशास्त्री टॉयलर के शब्दों में, *"संस्कृति वह जटिल पूर्णतः है जिसमें ज्ञान, विश्वास, कलाएँ, नीति, विधि, रीति-रिवाज और समाज के सदस्य होकर मनुष्य की अर्जित अन्य योग्यताएँ और आदतें सम्मिलित हैं।"*

मानवशास्त्रियों द्वारा दी गई परिभाषाओं के अनुसार—

- मानव समूह की जीवन जीने की कला ही संस्कृति है।
- यह व्यक्तिगत प्राप्ति न होकर सामाजिक प्राप्ति है जिसकी प्राप्ति विरासत के रूप में होती है।
- संस्कृति मानव समूह की आध्यात्मिकता का पर्याय नहीं है।

समाजशास्त्रीय उपागम
(Sociological Approach)

समाजशास्त्रियों के अनुसार पूर्वजों से प्राप्त सामाजिक विरासत ही संस्कृति है। टॉयलर द्वारा दी गई परिभाषा में सामाजिक जीवन के सभी उत्पादों, जन-रीतियों, प्रविधियों, रूढ़ियों, सभी सामूहिक अपेक्षाओं, मानवनिर्मित पदार्थों को संस्कृति में सम्मिलित किया गया है। इस प्रकार प्रथाएँ, पार्थिव कृतियाँ और अर्थपूर्ण सम्बन्ध संस्कृति के तीन पहलू हैं। यह एक संगठन है। इसमें रचना और कार्य दोनों ही सम्मिलित हैं। **लेसली व्हाइट** के अनुसार—*"संस्कृति घटनाओं का वह संगठन है जिसमें कार्यों (व्यवहार के प्रतिमानों) पदार्थों (औजारों और उनसे बनी वस्तुएँ) विचारों (विश्वास और ज्ञान) और भावनाओं (अभिवृत्तियों और मूल्यों) का समावेश है तथा जो प्रतीकों के उपयोग पर निर्भर है।"*

समाजशास्त्रियों द्वारा दी गई परिभाषाओं के अनुसार—

- संस्कृति मनुष्य की वे निराली सफलताएँ हैं जिन्हें उसने और उसके पूर्वजों ने हर परिस्थिति और घटना में अनुभव के रूप में प्राप्त किया है।
- यह शिक्षा के द्वारा एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तान्तरित होती है।
- संस्कृति का सारभूत भाग परम्पराएँ, ज्ञान, विचार, आस्थाएँ, मूल्य और भावनाएँ हैं। इसका प्रकट भाग सामूहिक व्यवहार, प्रथाओं, संस्थाओं में अभिव्यक्त होता है।
- यह हमारे रहने और सोचने का ढंग है।

Scanned with CamScanner